# शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

## अभ्यास प्रश्न पत्र

## कक्षा XI (2022-23)

## हिंदी (ऐच्छिक) (002)

**अधिकतम अंक-80** **अवधि: 3 घंटे**

<table>
<tr><td colspan="3"><u>सामान्य निर्देश</u>:- निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए -<br>• इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और खंड 'ब' । खंड 'अ' में वस्तुपरक और खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।<br>• खंड 'अ' में कुल 48 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।<br>• खंड 'ब' में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, इनमें उप-प्रश्न भी दिए गए हैं। कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं।<br>• दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।</td></tr>
<tr><td>प्रश्न संख्या</td><td>खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्न</td><td>अंक (उपभार x प्रश्न)</td></tr>
<tr><td></td><td>अपठित गद्यांश</td><td>(10)</td></tr>
<tr><td>प्रश्न 1.</td><td>निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-<br>सुचारित्र्य के दो सशक्त स्तंभ हैं-प्रथम सुसंस्कार और द्वितीय सत्संगति। सुसंस्कार भी पूर्व जीवन की सत्संगति व सत्कर्मों की अर्जित संपत्ति है और सत्संगति वर्तमान जीवन की दुर्लभ विभूति है। जिस प्रकार कुधातु की कठोरता और कालिख पारस के स्पर्श मात्र से कोमलता और कमनीयता में बदल जाती है, ठीक उसी प्रकार कुमार्गी का कालुष्य सत्संगति से स्वर्णिम आभा में परिवर्तित हो जाता है। सतत सत्संगति से विचारों को नई दिशा मिलती है और अच्छे विचार मनुष्य को अच्छे कार्यों में प्रेरित करते हैं। 'परिणामतः सुचरित्र का निर्माण होता है। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने लिखा है-महाकवि टैगोर के पास बैठने मात्र से ऐसा प्रतीत होता था, मानो भीतर का देवता जाग गया हो। वस्तुत. चरित्र से ही जीवन की सार्थकता है। चरित्रवान व्यक्ति समाज की शोभा है. शक्ति है। सुचारित्र्य से व्यक्ति ही नहीं, समाज भी सुवासित होता है और इस सुवास से राष्ट्र यशस्वी बनता है। विदुर जी की उक्ति अक्षरशः सत्य है कि सुचरित्र के बीज हमें भले ही वंश परंपरा से प्राप्त हो सकते हैं, पर चरित्र-निर्माण व्यक्ति के अपने बलबूते पर निर्भर है। आनुवंशिक परंपरा, परिवेश और परिस्थिति उसे केवल प्रेरणा दे सकते हैं, पर उसका अर्जन नहीं कर सकते, वह व्यक्ति को उत्तराधिकार में प्राप्त नहीं होता। व्यक्ति-विशेष के शिथिल-चरित्र होने से पूरे राष्ट्र पर चरित्र-संकट उपस्थित हो जाता है, क्योंकि व्यक्ति पूरे राष्ट्र का एक घटक है। अनेक व्यक्तियों से मिलकर एक परिवार, अनेक परिवारों से एक कुल, अनेक कुलों से एक जाति या समाज और अनेकानेक जातियों और समाज समुदायों से मिलकर ही एक राष्ट्र</td><td></td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| | बनता है। | |
| | **निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए-** | **1x10= 10** |
| **(i)** | 'सुचारित्र्य' से तात्पर्य है-<br>(क) सच्चा चरित्र<br>(ख) अच्छा चरित्र<br>(ग) मिथ्या चरित्र<br>(घ) बुरा चरित्र | |
| **(ii)** | गद्यांश के अनुसार समाज की शोभा और शक्ति कौन होता है?<br>(क) बलवान व्यक्ति<br>(ख) समर्थवान व्यक्ति<br>(ग) धनवान व्यक्ति<br>(घ) चरित्रवान व्यक्ति | |
| **(iii)** | पूर्व जीवन की सत्संगति व सत्कर्मों की अर्जित संपत्ति किसे कहा गया है?<br>(क) सुचरित्र<br>(ख) सुसंस्कार<br>(ग) सुबुद्धि<br>(घ) सौभाग्य | |
| **(iv)** | कुधातु की कठोरता और कालिख किसके स्पर्श मात्र से कोमलता और कमनीयता में बदल जाती है?<br>(क) कल्पवृक्ष<br>(ख) ब्रह्मकमल<br>(ग) नागमणि<br>(घ) पारस | |
| **(v)** | चरित्र का निर्माण किसके द्वारा संभव है?<br>(क) वंश परंपरा द्वारा<br>(ख) स्वयं के द्वारा<br>(ग) मित्रों के द्वारा<br>(घ) विद्यालय के द्वारा | |
| **(vi)** | निम्नलिखित में किसका उल्लेख गद्यांश में नहीं है?<br>(क) हजारी प्रसाद द्विवेदी<br>(ख) विदुर<br>(ग) प्रेमचंद<br>(घ) रवीन्द्रनाथ ठाकुर | |

| | | |
|---|---|---|
| **(vii)** | अनेकानेक जातियों और समाज समुदायों से मिलकर किसका निर्माण होता है?<br>(क) परिवार का<br>(ख) समाज का<br>(ग) कुल का<br>(घ) राष्ट्र का | |
| **(viii)** | चरित्र से ही जीवन की सार्थकता है। लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?<br>(क) क्योंकि सुचारित्र्य से ही समाज में सम्मान मिलता है<br>(ख) क्योंकि सुचारित्र्य से ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है<br>(ग) उपर्युक्त दोनों कथन सही हैं<br>(घ) उपर्युक्त दोनों कथन गलत हैं | |
| **(ix)** | पूरे राष्ट्र के चरित्र पर संकट कब उत्पन्न हो जाता है?<br>(क) जब समाज सुचरित्र होता है<br>(ख) जब व्यक्ति सुचरित्र होता है<br>(ग) जब व्यक्ति कुचरित्र होता है<br>(घ) जब व्यक्ति कार्य में शिथिल होता है | |
| **(x)** | आनुवंशिक परंपरा, परिवेश और परिस्थिति व्यक्ति को क्या देते हैं?<br>(क) अर्जन<br>(ख) प्रेरणा<br>(ग) उत्तराधिकार<br>(घ) भौतिक संपत्ति | |
| | **अपठित पद्यांश** | **(8)** |
| **प्रश्न 2.** | **निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**<br>चिड़िया तू जो मगन, धरा मगन, गगन मगन,<br>फैला ले पंख ज़रा, उड़ तो सही, बोली पवन।<br>अब जब हौसले से, घोंसले से आई निकल,<br>चल बड़ी दूर, बहुत दूर, जहां तेरे सजन।<br>वृक्ष की डाल दिखें<br>जंगल-ताल दिखें<br>खेतों में झूम रही<br>धान की बाल दिखें<br>गाँव-देहात दिखें, रात दिखे, प्रात दिखे,<br>खुल कर घूम यहां, यहां नहीं घर की घुटन।<br>चिड़िया तू जो मगन....<br>राह से राह जुड़ी | |

| | | |
|---|---|---|
| | पहली ही बार उड़ी<br>भूल गई गैल-गली<br>जाने किस ओर मुड़ी<br>मुड़ गई जाने किधर, गई जिधर, देखा उधर,<br>देखा वहां खोल नयन-सुमन-सुमन, खिलता चमन। | |
| | **निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -** | **1x8=8** |
| **(i)** | काव्यांश में मगन कौन है?<br>(क) चिड़िया<br>(ख) धरती<br>(ग) आकाश<br>(घ) उपर्युक्त सभी | |
| **(ii)** | 'फैला ले पंख ज़रा, उड़ तो सही'- यह किसने कहा?<br>(क) चिड़िया ने<br>(ख) धरती ने<br>(ग) गगन ने<br>(घ) हवा ने | |
| **(iii)** | खेतों में कौन झूम रहा है?<br>(क) चिड़िया<br>(ख) धान के बाल<br>(ग) सूरजमुखी<br>(घ) हवा | |
| **(iv)** | घर जैसी घुटन कहाँ नहीं है?<br>(क) पिंजरे में<br>(ख) प्रकृति में<br>(ग) घोंसलों में<br>(घ) गुफाओं में | |
| **(v)** | चिड़िया गैल-गली क्यों भूल जाती है?<br>(क) क्योंकि वह पहली बार उड़ी है<br>(ख) क्योंकि वह उन गलियों में कई बार उड़ चुकी है<br>(ग) क्योंकि उसके पर अभी छोटे हैं<br>(घ) क्योंकि उसे राह दिखाने वाला कोई नहीं है | |
| **(vi)** | चिड़िया के घोंसले से निकल पाने का कारण है-<br>(क) हवा के साथ उसकी पहचान<br>(ख) विवाह और घोंसले का निर्माण | |

| | | |
|---|---|---|
| | (ग) हौसला और उड़ने की कामना<br>(घ) इनमें से कोई नहीं | |
| **(vii)** | कवि चिड़िया को आँखें खोलकर क्या देखने के लिए कहता है?<br>(क) फूलों से भरी फुलवारी<br>(ख) सब्जियों की क्यारी<br>(ग) हाथी की सवारी<br>(घ) नदियाँ न्यारी | |
| **(viii)** | 'गैल-गली' में कौन-सा अलंकार है?<br>(क) श्लेष<br>(ख) रूपक<br>(ग) अनुप्रास<br>(घ) उपमा | |
| | **अथवा** | |
| | मातृ-भू, शत-शत बार प्रणाम<br>ऐ अमरों की जननी, तुमको शत-शत बार प्रणाम,<br>मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम।<br>तेरे उर में शायित गांधी, बुद्ध औ राम,<br>मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम।<br>हिमगिरि-सा उन्नत तव मस्तक,<br>तेरे चरण चूमता सागर,<br>श्वासों में हैं वेद-ऋचाएँ<br>वाणी में है गीता का स्वर।<br>ऐ संसृति की आदि तपस्विनि, तेजस्विनि अभिराम।<br>मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम।<br>हरे-भरे हैं खेत सुहाने,<br>फल-फूलों से युत वन-उपवन,<br>तेरे अंदर भरा हुआ है<br>खनिजों का कितना व्यापक धन।<br>मुक्त-हस्त तू बाँट रही है सुख-संपत्ति, धन-धाम।<br>मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम।<br>प्रेम-दया का इष्ट लिए तू,<br>सत्य-अहिंसा तेरा संयम,<br>नयी चेतना, नयी स्फूर्ति-युत<br>तुझमें चिर विकास का है क्रम। | |

| | | |
|---|---|---|
| | चिर नवीन तू, ज़रा-मरण से -<br>मुक्त, सबल उद्दाम, मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम। | |
| | **निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -** | |
| **(i)** | यहाँ 'मातृ-भू' से तात्पर्य है-<br>(क) मात्रभूमि<br>(ख) मात्रीभूमि<br>(ग) मातृभूमि<br>(घ) मृत्यभूमि | |
| **(ii)** | मातृ-भू का मस्तक किसके समान है?<br>(क) तुंगगिरी के समान<br>(ख) नीलगिरी के समान<br>(ग) हिमगिरी के समान<br>(घ) धौलगिरी के समान | |
| **(iii)** | 'संसृति' शब्द का क्या अर्थ है?<br>(क) संताप<br>(ख) संस्कार<br>(ग) संसार<br>(घ) संहार | |
| **(iv)** | मातृ-भू सुख-संपत्ति, धन-धाम को किस प्रकार प्रदान कर रही है?<br>(क) बंद हाथों से<br>(ख) पतवार को<br>(ग) द्रीप को<br>(घ) चंद्रमा को | |
| **(v)** | 'हिमगिरि-सा उन्नत तव मस्तक' पंक्ति में निहित अलंकार क्या है ?<br>(क) अनुप्रास<br>(ख) रूपक<br>(ग) उत्प्रेक्षा<br>(घ) उपमा | |
| **(vi)** | मातृ-भू का संयम क्या है ?<br>(क) त्याग और बलिदान<br>(ख) चेतना और नव-स्फूर्ति<br>(ग) सत्य और अहिंसा<br>(घ) प्रेम और दया | |
| **(vii)** | 'उद्दाम' का अर्थ क्या है? | |

| | | |
|---|---|---|
| | (क) परतंत्र<br>(ख) स्वतंत्र<br>(ग) गणतंत्र<br>(घ) राजतंत्र | |
| **(viii)** | 'चिर नवीन तू, ज़रा-मरण से' पंक्ति का आशय है-<br>(क) मातृ-भू का बीमारी और कष्ट से मुक्त सदा नवीन बने रहना<br>(ख) मातृ-भू के कण-कण का सुंदरता और वैभव से मुक्त होना<br>(ग) मातृ-भू का बुढापे और मृत्यु से मुक्त सदा नवीन बने रहना<br>(घ) मातृ-भू का जीवन और मृत्यु के चक्र से मुक्त होना | |
| | **अभिव्यक्ति और माध्यम** | **(5)** |
| **प्रश्न 3.** | **निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -** | **1x5=5** |
| **(i)** | टेलीफ़ोन, इंटरनेट, फ़ैक्स, समाचार-पत्र, रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा आदि विभिन्न माध्यम हैं-<br>(क) संचार के<br>(ख) जनसंचार के<br>(ग) संचार और जनसंचार के<br>(घ) इनमें से किसी के नहीं | |
| **(ii)** | प्राप्त संदेश का कूट वाचन कौन करता है?<br>(क) प्राप्तकर्ता<br>(ख) संदेश वाहक<br>(ग) संदेश प्रसारक<br>(घ) इनमें से कोई नहीं | |
| **(iii)** | सरकार और संस्थाओं के कामकाज पर निगरानी रखने का कार्य करता है-<br>(क) जनसंचार<br>(ख) लोक संचार<br>(ग) समूह संचार<br>(घ) अंत: वैयक्तिक संचार | |
| **(iv)** | सबसे बेहतर संचार करने की क्षमता और कुशलता है-<br>(क) पक्षियों की<br>(ख) मनुष्य की<br>(ग) पशुओं की<br>(घ) इनमें से किसी की भी नहीं | |
| **(v)** | टेलीविजन पर देखे गए क्रिकेट मैच को कहते हैं-<br>(क) सीधा प्रसारण | |

| | | |
|---|---|---|
| | (ख) प्रत्यक्ष प्रसारण<br>(ग) परोक्ष प्रसारण<br>(घ) हवाई प्रसारण | |
| | **पाठ्य-पुस्तक (अंतरा भाग 1)** | **(12)** |
| **प्रश्न 4.** | **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**<br>बालम, आवो हमारे गेह रे।<br>तुम बिन दुखिया देह रे।<br>सब कोई कहै तुम्हारी नारी, मोकों लगत लाज रे।<br>दिल से नहीं लगाया, तब लग कैसा सनेह रे।<br>अन्न न भावै नींद न आवै, गृह-बन धरै न धीर रे।<br>कामिन को है बालम प्यारा, ज्यों प्यासे को नीर रे।<br>है कोई ऐसा पर-उपकारी, पिवासों कहै सुनाय रे।<br>अब तो बेहाल कबीर भयो है, बिन देखे जिव जाय रे।। | |
| | **निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -** | **1x6=6** |
| **(i)** | प्रस्तुत काव्यांश में 'बालम' शब्द किसके लिए प्रयुक्त है?<br>(क) आत्मा के लिए<br>(ख) परमात्मा के लिए<br>(ग) प्रेयसी के लिए<br>(घ) स्वयं कवि के लिए | |
| **(ii)** | सब किसे नारी कहते हैं?<br>(क) परमात्मा को<br>(ख) कवि को<br>(ग) सखी को<br>(घ) पिय को | |
| **(iii)** | 'गेह' शब्द का अर्थ है-<br>(क) बाग़<br>(ख) गुरुकुल<br>(ग) घर<br>(घ) वन | |
| **(iv)** | कबीर को लाज क्यों लग रही है?<br>(क) लोगों द्वारा उन्हें बालम कहने के कारण<br>(ख) लोगों द्वारा उन्हें नारी कहने के कारण<br>(ग) लोगों द्वारा उन्हें प्रेमिका कहने के कारण<br>(घ) वेश-भूषा और पहनावे के कारण | |

| | | |
|---|---|---|
| **(v)** | 'अन्न न भावै नींद न आवै,' यह स्थिति कबीर दास जी की क्यों हुई है?<br>(क) पत्नी के प्रति अनन्य प्रेम के कारण<br>(क) प्रेयसी के प्रति अनन्य प्रेम के कारण<br>(ख) परमात्मा के प्रति अनन्य प्रेम के कारण<br>(ग) उपरोक्त में से कोई नहीं | |
| **(vi)** | कबीर की भाषा है-<br>(क) तत्सम<br>(ख) तद्भव<br>(ग) देशज<br>(घ) सधुक्कड़ी | |
| **प्रश्न 5.** | **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए।**<br>लड़के सबसे ज़्यादा प्रसन्न हैं। किसी ने एक रोज़ा रखा है, वह भी दोपहर तक, किसी ने वह भी नहीं; लेकिन ईदगाह जाने की खुशी उनके हिस्से की चीज़ है। रोज़े बड़े-बूढ़ों के लिए होंगे। इनके लिए तो ईद है। रोज़ ईद का नाम रटते थे आज वह आ गई। अब जल्दी पड़ी है कि लोग ईदगाह क्यों नहीं चलते। इन्हें गृहस्थी की चिंताओं से क्या प्रयोजन! सेवैयों के लिए दूध और शक्कर घर में है या नहीं, इनकी बला से, ये तो सेवैयाँ खाएँगे। वह क्या जानें कि अब्बाजान क्यों बदहवास चौधरी कायमअली के घर दौड़े जा रहे हैं। उन्हें क्या खबर कि चौधरी आज आँखें बदल लें, तो यह सारी ईद मुहर्रम हो जाए। उनकी अपनी जेबों में तो कुबेर का धन भरा हुआ है। | |
| | **निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -** | **1x6=6** |
| **(i)** | उपर्युक्त गद्यांश में लड़कों को किस बात की जल्दी है?<br>(क) गृहस्थी चलाने की<br>(ख) ईदगाह जाने की<br>(ग) कायमअली के घर जाने की<br>(घ) रोजा रखने की | |
| **(ii)** | ईद के अवसर पर सबसे अधिक प्रसन्न कौन है?<br>(क) बड़े-बूढ़े<br>(ख) बच्चे<br>(ग) औरतें<br>(घ) अब्बाजान | |
| **(iii)** | 'गृहस्थी की चिंताओं से' आशय है-<br>(क) घर बनाने की चिंता<br>(ख) घर चलाने की चिंता<br>(ग) घर में ईद मनाने की चिंता | |

| | | |
|---|---|---|
| | (घ) मित्रों को घर बुलाने की चिंता | |
| **(iv)** | लोग बदहवास चौधरी कायमअली के घर दौड़े क्यों जा रहे हैं?<br>(क) ईद की मुबारकबाद देने<br>(ख) उधार मांगने के लिए<br>(ग) सरपंच का चुनाव कराने के लिए<br>(घ) उपर्युक्त सभी | |
| **(v)** | 'चौधरी आज आँखें बदल लें, तो यह सारी ईद मुहर्रम हो जाए।' पंक्ति का आशय है-<br>(क) कायमअली के घर मुहर्रम मनाना<br>(ख) कायमअली के उधार न देने पर ईद की ख़ुशी मातम में बदलना<br>(ग) कायमअली के रंगरूप और वेश-भूषा में परिवर्तन<br>(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं | |
| **(vi)** | 'आँखें बदलना' का अर्थ है-<br>(क) पहले जैसा स्नेह-संबंध रखना<br>(ख) आँखों से हाव-भाव में परिवर्तन<br>(ग) पहले जैसा कृपा-भाव न रखना<br>(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं | |
| | **पूरक पाठ्य-पुस्तक (अंतराल भाग 1)** | **(05)** |
| **प्रश्न 6.** | **निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -** | **1x5=5** |
| **(i)** | 'हुसैन की कहानी अपनी ज़बानी' पाठ किसके जीवन से संबंधित है-<br>(क) आफ़ताब फ़िदा हुसैन<br>(ख) मतलूब फ़िदा हुसैन<br>(ग) आमिर रज़ा हुसैन<br>(घ) मकबूल फ़िदा हुसैन | |
| **(ii)** | हुसैन के पिता का व्यवहार कैसा था?<br>(क) सख्त<br>(ख) सरल<br>(ग) कंजूस<br>(घ) अक्खड़ | |
| **(iii)** | कला के प्रति पहले लोगों का नजरिया कैसा था?<br>(क) कला को सम्मानपूर्वक देखा जाता था<br>(ख) कला केवल बड़े राजा-महाराजाओं के महलों तक सीमित थी<br>(ग) कला सामाजिक परिवर्तन का एक माध्यम था<br>(घ) उपरोक्त सभी | |
| **(iv)** | निम्नलिखित में से किसका चित्र हुसैन ने नहीं बनाया था? | |

| | | |
|---|---|---|
| | (क) दाढ़ी वाला पठान<br>(ख) नक्काशीदार सुराही<br>(ग) बकरी का बच्चा<br>(घ) घूँघट की औरत | |
| **(v)** | हुसैन ने किस/किन अवसरों पर अपनी जन्मजात कला का परिचय दिया?<br>(क) ब्लैकबोर्ड पर बनी चिड़िया को हू-ब-हू अपनी स्लेट पर उतारकर<br>(ख) गांधी जयंती के अवसर पर ब्लैकबोर्ड पर गांधी जी का पोट्रेट बनाकर<br>(ग) उपर्युक्त दोनों<br>(घ) इनमें से कोई नहीं | |
| | **खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न** | |
| | **अभिव्यक्ति और माध्यम** | (17) |
| **प्रश्न 7.** | **निम्नलिखित दिए गए दो शीर्षकों में से किसी एक शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में दृश्य लिखिए।**<br>साप्ताहिक बाजार का दृश्य<br>**अथवा**<br>विद्यालय के वार्षिक समारोह का दृश्य | 5x1=5 |
| **प्रश्न 8. (क)** | **निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।**<br>महामारी के कारण आपदाग्रस्त क्षेत्रों में राहत कार्य के लिए सहायकों की आवश्यकता है। अपनी योग्यताओं का उल्लेख करते हुए इस पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र लिखें ।<br>**अथवा**<br>दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी को पत्र लिखकर अपनी कॉलोनी में अनियमित व अपर्याप्त जल वितरण से होने वाली असुविधाओं के प्रति ध्यान आकृष्ट कीजिए । | 5x1=5 |
| **(ख)** | राजकीय सर्वोदय विद्यालय, सेक्टर- 4, रोहिणी की सांस्कृतिक समिति की बैठक के लिए कार्यसूची तैयार कीजिए।<br>**अथवा**<br>सर्वोदय विद्यालय, मानसरोवर पार्क में हिंदी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित करने के संबंध में सांस्कृतिक समिति की बैठक संपन्न हुई उसमें जिन विषयों पर चर्चा हुई और जो निर्णय लिए गए, उनका कार्यवृत्त लिखिए। | 3x1=3 |
| **प्रश्न 9.** | **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-** | 2x2=4 |
| **(i)**<br>**(ii)** | डायरी किसे कहते हैं?<br>किन्हीं दो प्रसिद्ध डायरी और उनके लेखकों के नाम लिखिए- | |
| | **पाठ्य-पुस्तक (अंतरा भाग 1 और अंतराल भाग 1)** | (20+3) |
| **प्रश्न 10.** | **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-** | 2x2=4 |

| | | |
|---|---|---|
| (i)<br><br>(ii)<br>(iii) | 'संध्या के बाद' कविता के आधार पर बताइए कि कवि ने वृद्धाओं को बगुले-सा क्यों कहा है?<br>नायिका सपने में क्यों प्रसन्न थी और वह सपना कैसे टूट गया?<br>खेल में कृष्ण के रूठने पर उनके साथियों ने उन्हें डाँटते हुए क्या-क्या तर्क दिए ? | |
| **प्रश्न 11.** | **निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें -** | **6x1=6** |
| | साँसनि ही सौं समीर गयो अरु, आँसुन ही सब नीर गयो ढरि।<br>तेज गयो गुन लै अपनो, अरु भूमि गई तन की तनुता करि।।<br>"देव' जियै मिलिबेही की आस कि, आसहू पास अकास रह्यो भरि,<br>जा दिन तै मुख फेरि हरे हँसे, हेरि हियो जु लियो हरि जू हरि।।<br>**अथवा**<br>सिमटा पंख साँझ की लाली<br>जा बैठी अब तरु शिखरों पर<br>ताम्रपर्ण पीपल से, शतमुख<br>झरते चंचल स्वर्णिम निर्झर!<br>ज्योति स्तंभ-सा धँस सरिता में<br>सूर्य क्षितिज पर होता ओझल,<br>बृहद् जिह्म विश्लथ केंचुल-सा<br>लगता चितकबरा गंगाजल! | |
| **प्रश्न 12.** | **निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नो के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए-** | **2x2=4** |
| (i)<br>(ii)<br>(iii) | ईदगाह कहानी के आधार पर हामिद की विशेषताएं लिखिए-<br>भव्य पुरुष ने कहा- 'जहाँ अन्धकार है वहीँ प्रकाश है- इसका क्या तात्पर्य है?<br>गूँगे की कर्कश काँय-काँय और अस्फुट ध्वनियों को सुनकर चमेली ने पहली बार क्या अनुभव किया? | |
| **प्रश्न 13.** | **निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें -** | **6x1=6** |
| | "बुढ़िया का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया, और स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिख़ेर देता है। यह मूक स्नेह था, ख़ूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ। बच्चे में कितना त्याग, कितना सदभाव और कितना विवेक है! दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर इसका मन कितना ललचाया होगा! इतना ज़ब्त इससे हुआ कैसे? वहाँ भी इसे अपनी बुढ़िया दादी की याद बनी रही। अमीना का मन गदगद हो गया।" | |
| **प्रश्न 14.** | **निम्नलिखित में से किसी <u>एक प्रश्न</u> का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए-** | **3x1=3** |
| (i)<br><br>(ii) | लेखक ने अपने पाँच मित्र के जो शब्द चित्र प्रस्तुत किए, उनसे उनके अलग-अलग व्यक्तित्व की झलक मिलती है, फिर भी वह घनिष्ठ मित्र हैं कैसे ?<br>आप कैसे कह सकते हैं कि हुसैन का अपने दादा से विशेष लगाव रहा ? | |